त्र्ण्ड्ढ एठ्ठद्यद्यथ्ड्ढ द्यदृ क्ष्ड्ढद्यण्द्धदृदड्ढ ख्ड्ढड्डद्वद्म द बैटल ऑफ डीथ्रोन जीज़स 4

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, मसीहियत के कुछ दोष लगानेवाले कहते हैं कि ऐतिहासिक यीशु ने कभी परमेश्वर का पुत्र होने का दावा नही किया है, या मसीहा, या कोई भी ईश्वरीय शीर्षक की बात/ लेकिन क्या ये सही है? शुरू के ऐतिहासिक सबूत हमें क्या बताते हैं? आज आप इसे देखेंगे इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

++++

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, हम ऐतिहासिक यीशु के बारे में कह रहे हैं, और पर्यायी दृष्टिकोण जो रखे जा रहे हैं, मीडिया के माध्यम से, नॉवेल्स, बुक्स, टीवी प्रोग्राम्स द्वारा, कि ये पारंपरिक यीशु, मसीहियत का यीशु, इसकी फिर से परिभाषा करनी चाहिए या बदलना चाहिए, और आज संसार के दो मुख्य विद्वान् हमारे साथ हैं, डॉ. डेरेल बॉक, नए नियम के रिसर्च के प्रोफेसर, डेलेस थियोलोजिक्ल सेमनरी में और डॉ. डेनिएल बी. वॉलेस, नए नियम के अध्यन के प्रोफेसर हैं/

अब हम चर्चा करना चाहते हैं कि डॉक्यूमेंट में, सबूत में, डैन यदि आप यूनिवर्सिटी में जाए और आप चर्चा कर रहे हैं, विद्यार्थियों से जो अभी सुन रहे हैं कह रहे हैं, मैं यीशु के बारे में जानना चाहता हूँ, हमारे पास जो सबूत हैं उस में, ऐतिहासिक सबूत तो आप उन्हें कहाँ से शुरू करने की सलाह देते? कि इस बात को देखे कि यीशु ने क्या होने का दावा किया है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैं मरकुस के सुसमाचार से शुरू करता, खैर अवश्य ही सुसमाचार से शुरू करना है, लेकिन मरकुस के सुसमाचार में वो इस डॉक्यूमेंट पर चर्चा कर रहे हैं जिसके बारे में दोनों लोग सहमत होगे, ये सच में बहुत बतानेवाला सुसमाचार है, और यहाँ भी आप थियोलोजिक्ल इक्केशन की बात दूर कीजिए, जिसका अनुमान लगाया जाता है कि ये मत्ती, लूका और यूहन्ना में हुआ/ यदि हम मरकुस में जाए और जितना हो सके उतना करीब जाए/ और यहाँ भी आप देखते हैं, महत्वपूर्ण बातें, यीशु परमेश्वर का पुत्र है, मेरा पसंदीदा वचन ये है यदि सलाह दे, सच में तीन हैं जो मैं बताना चाहता हूँ,

मरकुस 2:5, यीशु पतरस के घर में है, और वो छत निकालते हैं, याने वो छत के परत निकालते हैं, कि एक अपाहिज को भीतर ला सके, क्योंकि वो उसे भीतर नही ला सकते थे, याने उन्होंने इस व्यक्ति को भीतर उतारा और, और फिर यीशु उससे कहता है, पुत्र, तेरे पाप क्षमा हुए, और

वो कहते हैं, क्या? याने ये पापों की क्षमा के लिए नही आया, ये चलने के लिए आया था/ याने ये धार्मिक अगुवे जो वहां बैठे थे, और खुद से बातें करने लगे, ये निन्दा है, केवल परमेश्वर पाप क्षमा कर सकता है/ उन्होंने जो कहा था उसका आधा भाग सही था, याने केवल परमेश्वर पापों की क्षमा कर सकता है, दूसरा आधा सच नही था, और फिर यीशु उन्हें जवाब देता है, जो वो कहा रहे थे, कि तुम्हें दिखाए कि मनुष्य के पुत्र के पास पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है, और फिर वो उसे चलने की आज्ञा देता है/

हम यहाँ देखते हैं कि यीशु यहाँ कार्यशील करता है, वो काम जो केवल परमेश्वर कर सकता है, कि पापों को क्षमा करें, याने जब वो कहता है कि मनुष्य के पुत्र के पास ये करने का अधिकार है, वो खुद के बारे में कुछ कहता है जो केवल परमेश्वर के बारे में कहा जा सकता था, अब ये धार्मिक अगुवे इसे समझते थे, जो चेले नही जानते थे, यही कारण है कि आज हम समझते हैं कि यीशु ने जो होने का दावा किया वो वही है, क्योंकि उन में कोई इमानदारी नही थी, उन में इमानदारी थी, यहूदी विचारों की, सच में वो प्रतिदिन शमा पढ़ते थे, वो है हे इस्राएल हमारा प्रभु परमेश्वर है, वो एक है, जब यीशु पापों की क्षमा कर रहा था, वो दावा कर रहा था कि वो परमेश्वर की श्रमता में काम कर रहा है/

अब चेले दूसरी ओर, जो थियोलोजिकल ट्रेन नही थे, लेकिन वो यीशु के लिए ईमानदार थे, ईमानदार यहूदी थे, अब उनके सामने एक सवाल था कि सच में यीशु कौन है? वो जानते थे कि वो अच्छा है/ वो जानते थे कि ये भविष्यवक्ता है, जानते थे कि लोगों को चंगाई दे सकता है/ उन्होंने ये देखा था, जानते थे कि वो दुष्टात्मा निकाल सकता है, लेकिन उनके पास उसके लिए कोई कैटागेरी नही थी,

कुछ समय के बाद हम मरकुस के सुसमाचार में देखते हैं, मरकुस अध्याय 4 में, और यहाँ यीशु ने तूफान को शान्त किया था, और वो कहता है शान्त हो जाओ, चुप रहो, बस यही/ उसने नही कहा कि मैं तुम्हें परमेश्वर के नाम में आज्ञा देते हूँ, बस शान्त रहो, चुप रहो, और वो शान्त होता है, और वचन 41 में चेलों ने कहा, ये व्यक्ति कौन है, जो तूफान शान्त कर दे? याने अब भी उनके पास उसके लिए कोई कैटागरी नही थी, वो उसके साथ ईमानदार थे लेकिन नही जानते थे कि किससे ईमानदार हैं/

फिर हम बाद में मरकुस अध्याय 8 में जाए, वहां अंधे व्यक्ति की चंगाई है जहाँ यीशु ने थूककर उसके चेहरे पर कीचड़ लगाया/ ये तो अद्भुत कहानी है आशा है कि प्रोग्राम में आगे इसे देखेंगे, लेकिन उसके बाद, याने पतरस अंगीकार करता है कि यीशु ही मसीहा है, चेले इसे नही जानते थे, कि यीशु का मसीहा होने का अर्थ क्या है, कि क्रूस पर मरे, और मुर्दों में से जी उठे,उनके पास इसके लिए भी कोई कैटागेरी नही थी, और फिर हम देखते हैं, लूका, याने मत्ती, माफ कीजिए, मरकुस,अध्याय 9 वचन 10 में, जहाँ यीशु के अपने तीन चेलों के सामने उसके रूपांतरण के बाद, जब वो पहाड़ से निचे आए, और वो कहता है कि अब किसी को इसके बारे में नही बताना,

मेरे पुनरुत्थान के बाद तक/ और फिर अगला वचन कहता है, मरकुस 9:10, और वो आपस में चर्चा करने लगे कि पुनरुत्थान कैसा होगा,

और ये सारी बातें याने ये ऐतिहासिक सच्ची बातें हैं, कि चेले इस बात के बारे में नही जानते थे कि चेले जीलाया जाएगा, मनुष्य के इतिहास में, अंत में समय में मुर्दों में से जीलाया जाएगा, जो कि यहूदी विचार सिखाता है/ ये अद्भुत बात है, उनके पास इसके लिए भी कैटगरी नही थी, ये हमें बताता है कि उन्होंने इस सिद्धान्त को नही बनाया था, क्रुसिकरण के बाद, वो ये नही कह सकते थे, ये यीशु ने ही सिखाया होगा/ क्योंकि वो नही समझ सकते थे, पुनरुत्थान का मतलब, ओ तुम्हारा मतलब मुदों में से शारीरिक जी उठना है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप क्या सोचते हैं कि क्या हुआ होगा जब उन्होंने जाना, उसे जिसका वो दावा कर रहा था?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: पुनरुत्थान के बाद, या पुनरुत्थान के कारण, चेले ये जानने लगे, कि ये व्यक्ति पूरी तरह से अलग है, ये भविष्यवक्ताओं में से एक नही, किसी मनुष्य ने इसे मुर्दों में से नही जिलाया है, और कुछ भी हो, मैं सोचता हूँ कि ये प्रेरित पौलुस है, जिसने दमिश्क के मार्ग में उसके बदलने के कारण, अब वो डॉ अलग तरह के मतभेद में था, एक है कि मैं जानता हूँ कि परमेश्वर ने इस ब्यक्ति को रखा है, मैं ये कैसे जानता हूँ? क्योंकि व्यवस्था विवरण अध्याय 21 कहता है कि श्रापित है हर व्यक्ति जो पेड़ पर लटकाया जाता है, याने पौलुस तो उस बात पर जोर दे रहा था जो बाइबल सिखाती है/ और इसलिए वो विश्वासियों के विरुद्ध में इतनी जिज्ञासा के साथ था, क्योंकि यदि परमेश्वर ने इस व्यक्ति पर भरोसा रखा है, उसे पेड़ पर लटकाने के द्वारा, तो कैसे विश्वासी कह सकते थे कि उसने उसे मुर्दों में से जिलाने के द्वारा आशीष दी है,

और केवल एक बात जो पौलुस को समहत कर सकती थी याने इसी ने पौलुस को समहत किया, जो दमिश्क के मार्ग पर था, और उसने ये प्रकाशन पाया मसीह को स्वर्ग में देखता है, और कहता है प्रभु तू कौन है, मैं तुझे क्यों सताता हूँ? याने उसके पास दो सत्य थे जिसे उसे देखना था, एक तो कि परमेश्वर ने उसे शाप दिया था, वो तो बाइबल सिखाती है, और दूसरा है कि परमेश्वर ने उसे आशीष दी होगी, और यही तो मेरा विवाद से बाहर का अनुभव बताता है कि ये ये हुआ होगा/ इसके लिए कुछ समय लगता है कि इन बातों को देखते चले जाए, और अंत में पौलुस इस के बारे में कहता है जैसे वो जानता है, कि यीशु अपने पापों के लिए नही मर सकता था, इसलिए हम ये बात देखते हैं, यदि उसमे पाप नही था तो वो किस कैटगरी में आता है, क्या केवल मनुष्य था? ये काम नही करेगा,और कईबार जिस के लिए कुछ समय लगता है, और उस में नही जाऊँगा, किसी समय में वो जानने लगता है कि यीशु मसीह हमारे पापों के बदले में मरा, इसलिए वो खुद ऐसे कैटगरी में होगा जो सच में परमेश्वर था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: डेरेल आप हमेशा से विश्वासी रहे हैं, याने आप यहूदी पृष्टभूमि से आए हैं और आप कॉलेज में थे और आप ने इस पर विश्वास नही किया, किस ने आपको यीशु के बारे में कायल किया, किस वाक्य ने आपको पकड़ लिया?

डॉ. डेरेल बॉक: खैर, मैं सोचता हूँ कि यहाँ जो हो रहा है, सबसे पहले ये नया नियम पढ़ते समय हुआ था, किसी ने मुझे नया नियम दिया, याने यीशु के बारे में आपका पारंपारिक विचार है, और वो विचार है कि यीशु महान शिक्षक है, शायद वो भविष्यवक्ता होगा, ठीक है, लेकिन नए नियम में इसे पढ़े और खुद से पूछे, क्या यीशु ये सिखा रहा है या खुद यीशु ही ये बात है? हम सोचते हैं कि इसे समझने में हम बद्धिमान हैं, तो उन्होंने मुझे बाइबल दी, और मैं पढने लगा,

, जैसे मैंने सुसमाचार पढ़ा, तो ये स्पष्ट हो गया, कि मुद्दा तो केवल यीशु की शिक्षा का नही था, ये तो उसका व्यक्तित्व था, और उसके व्यक्तित्व में एक दावा किया जा रहा था, कि वो मसीहा है, कि वो कम से कम मसीहा है, वो मनुष्य का पुत्र है जो उठाया गया और वो अधिकारी व्यक्ति है, और इसने मुझ से व्यवहार किया और मैंने सोचा कि ये तो उस सवाल का जवाब है जो आपने डैन से पूछा था, मैं सोचता हूँ कि शुरू के चर्च ने इस पाया जब उन्होंने जाना, कि यीशु को परमेश्वर ने बुलाया कि वो उसकी उपस्थिति और उसके अधिकार को बांटे/ यहूदी विचार परमेश्वर की महिमा को नही बांटता है/ याने जरूरी था कि, याने जरूरी था कि ख़ास तरह का व्यक्ति हो/ कि वो इस महिमा को बाँट सके, वो उपस्थिति/ याने ये स्वाभाविक बात पर लेकर आता है, कि कौन परमेश्वर की बगल में बैठ सकता है, याने पिता के दाहिने हाथ/ ये वो होगा जो उसकी महिमा बाँटने के योग्य होगा, उसकी उपस्थिति याने वो परमेश्वर होगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम अब ब्रेक लेते हैं और वापस आने पर, पैशन ऑफ़ द क्राइस्ट के समय में, डायन सोएर ने आपको ए बी सी पर बुलाया, कि इस मूवी के ऐतिहासिक बात के बारे में आप बता सके, और आपने बड़ी किताब लिखी है जो, मत्ती, मरकुस और लूका लिखते हैं अपने लेख में, वो यीशु को परखे जाने को जानते थे,और आपने वही जवाब दिया जो यीशु ने दिया था कि उससे सवाल पूछा था, कि क्या तुम मसीहा हो, परमेश्वर के पुत्र हो? ठीक है/ और हम आपका जवाब सुनेगे जब कि आप हमारे साथ जुड़े हैं, हम जल्द ही लौट आएगे/

++++

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: खैर हम लौट आए हैं और चर्चा कर रहे हैं डॉ. डेरेल बॉक और डॉ. डैनी बी वोलेस से, और हम चर्चा कर रहे हैं कि ये विद्यार्थियों को क्या सलाह देते हैं, ये ऐतिहासिक यीशु के बारे में जांच रहे हैं, और उन बातों को देखना चाहते हैं जो उसने खुद के बारे में कहा है, वो जो दावा करता है, वो कहाँ पर जाए? और मैं सोचता हूँ कि हमारे समाज में बहुत से लोग इस बात के बारे में जानते हैं वो है, पैशन ऑफ़ क्राइस्ट, और कुछ कॉन्टेंट जो वहां पर थे, वहां पर यहूदी अगुवों की मेट थी, और वो यीशु को परखना चाहते थे, और उस समय उन्होंने उससे पूछा, जो बताए गए हैं मत्ती, मरकुस और लूका में, और चलिए अब वो भाग देखते हैं, आपने

उसके बारे में बहुत कुछ लिखा हैं, आप उन में से एक हैं, मुख्य गवाह, एतिहासिक गवाह,डायन सॉयर ए बी स्पेशल में, हमें इस पर बताइए/

डॉ. डेरेल बॉक: मैं इस सन्दर्भ के बारे में कहना चाहता हूँ ये सवाल पूछने के द्वारा/ कि यीशु ने क्या कहा कि वो कौन है? और सच में तीन वचन के भाग हैं जो हमें ये बताते हैं, जो मैंने पिछले हफ्ते आपको बताया था/

पहला है कि यीशु आराधनालय में आता है, और यशायाह 61 का वचन खोलता है/ इसे पढ़ता है जो आत्मा के बारे में कहता है, अभिषेक पाया और उससे सवाल पूछे जाते हैं, जूबली का साल घोषित किया गया है, आज़ादी का साल घोषित किया गया है, और यीशु आगे कहता है कि तुम्हारे सुनते हुए आज ये पूरा होगा/ याने ये हमें बताता है कि य्सिहू छुटकारे के लिए प्रतिज्ञा का चित्र है, और वो उस समय से है जिसे थियोलोजियन कहते हैं, एस्कटाइन/ बस इस के बारे में सोचिए कि ये उद्धार का समय है, परमेश्वर ने उद्धार की प्रतिज्ञा की है, ये पहला भाग है/

दूसरा भाग तो वो भाग है जहाँ यूहन्ना बप्तिस्मादाता जेल में बैठा है, और खुद से पूछता है, मैं जेल में क्या करूं? यदि मैं आनेवाले युग के लिए पहले आनेवाला व्यक्ति होता, यदि मैं ये बताता हूँ कि परमेश्वर का उद्धार और छुटकारा आ रहा है, फिर ये सब यहाँ पर किस तरह से आया, उसने यीशु के पास दूत भेजे, और वो कहता है कि क्या आनेवाला तू ही है या हम और किसी की राह देखे? मैं यीशु के जवाब को देखता हूँ और कहता हूँ, उसने सही तरह से नही पूछा/ उसे पूछना चाहिए था, जैसे हम फिल्मों में देखते हैं, आनेवाला क्या तू ही है या हम और किसी कि राह देखे हाँ या नही? क्योंकि उसे जो जवाब मिला वो तो यहूदी मतवाद में कही से आनेवाला था/ यदि आप पढेगे 4Q521, तो जो डेड सी स्क्रोल का एक भाग है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, फोर्थ केव/

डॉ. डेरेल बॉक: कुमरान की चौथी गुफा, 521, ये इस तरह कहता है,ये कहता है कि स्वर्ग और पृथ्वी अपने मसीहा की सुनेगे,और वो उसकी आज्ञाओं से दूर नही जाएगे,और वो अनंतकाल का राज्य पाएगा,वो बन्दियों को आज़ाद करेगा, अंधों की आँखों को खोलेगा/ और जो मरे हुए हैं उन्हें जिलाएगा, और फिर आगे कहता है/ वो मुर्दों को जीवित करेगा, सताए गए को प्रचार करेगा,अब जब हम यीशु का जवाब सुनते हैं,यहाँ लूका 7 में,और साथ ही मत्ती में, तो हम सामान्य रुप में यही शब्द देखते हैं, कि जाकर यूहन्ना को बताना जो तुम देखते और सुनते हो,ये कहता है कि बहरे सुनते हैं, और लंगड़े चलते हैं, अंधे देखते हैं, और कंगालों को प्रचार किया जाता है, ये तो बिलकुल उसी तरह से है जो हम देखते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये बिलकुल उसी तरह से है, जैसे उसी में से कोट किया है/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, और हम यहाँ ये कह रहे हैं कि यीशु बताता है कि वो कौन है, ये कुछ सन्दर्भ है, जो यीशु यहाँ पर कहता है/

आखरी सीन वो है जो आपने शुरू में कहा था, याने ये है कि जब यीशु सेन्हीदरन के सामने आया, यहूदी अगुवों के सामने उससे पूछा गया क्या तू मसीहा है, जीवित परमेश्वर का पुत्र? मैं सोचता हूँ कि कुफा ये पूछ रहा है, क्या तू मसीहा होने का दावा करता है, या राजा होने का, मैं सोचता हूँ कि वो इसी कारण ये पीछ रहा है, कि उसे अधिकार चाहिए था, उसे पिलातुस से अधिकार चाहिए था कि यीशु को मार दे, क्रूस पर चढाए/ इसे करने का आसान तरीका था, ये कहना कि तुम राजा होना चाहते हो और कैसर द्वारा नियुक्त किए जाने चाहते हो/ ठीक है, रोमी जनरल इस तरह की बात से खुश नही होगा/ याने ये बैक ड्राप है/

वो ये सवाल पूछता है और यीशु इस तरह से जवाब देता है,ये वचन है मरकुस अध्याय 14 से, ये सबसे महत्वपूर्ण वचन भाग है/ सुसमाचार में, और ये कहता है, ये सवाल है क्या तुम ख्रिस्त है, उस परम धन्य का पुत्र? याने परमेश्वर का पुत्र, तो वो जवाब देता है, यीशु ने कहा मैं हूँ, और तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान के दाहिनी ओर बैठे और आकाश के बादलों के साथ आते देखोगे, तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा, अब हमें गवाहों का और क्या प्रयोजन है/ तुम ने यह निन्दा सुनी/ तुम्हारी क्या राय है/

अब सवाल है कि उसने अपने वस्त्र क्यों फाड़ दिए, उसे कपड़े फाड़े क्योंकि यीशु जो दावा कर रहा था कि उस में केवल भवन में आने की योग्यता नही है, कि महा-पवित्र स्थान में जाए जहाँ साल में एक बार केवल महा-याजक जा सकता था, उस पवित्र जगह पर क्योंकि ये परमेश्वर की उपस्थिती को दर्शाता था, उसने कहा, नही परमेश्वर मुझे न्योता देता है कि उसकी दाहिने बैठु, और संसार पर न्यायी जैसे काम करेगा, और बादलों पर सवार होगा, और अधिकार रखेगा, अब,यहूदी मतवाद में वो इस तरह कुछ पहनते हैं और शामा कहते हैं, यहूदी विचार में जब भी आराधनालय में जाते, जब भी सभा होती तो खड़े होकर शामा कहते थे/ सुन हे इस्राएल तेरा प्रभु परमेश्वर एक है,कोई प्रभु की महिमा नही बाँटता, जब यीशु ने कहा कि वो परमेश्वर की महिमा बाँट सकता है, उसकी उपस्थिति को, ये तो दावा या उठाया जाना है जब कि यहूदी मन कहता है कि केवल एक ही परमेश्वर है/

और हमारे पास ट्रेन रैक है, थियोलोजिक्ल ट्रेन रैक है, जहाँ उठाया जाना परमेश्वर निन्दा में आता है, एक तो यीशु सही है, या यीशु गलत है, वो यहाँ दावा करता है, जब वो कहता है कि तुम इसे देखोगे, वो कहता है, मेरी कब्र खाली होगी, कुछ दिनों में, और तुम जानोगे कि मैं कहाँ गया, और जानोगे कि परमेश्वर ने मुझे क्या बनाया/ आयर ये सामर्थी गवाही है, कि यीशु जो कहता है वो वही है/

ध्यान दे कि वो कुछ सीधी बात नही करता, मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ, मैं अच्छा हूँ, नही, वो इसे सीधी रूप में नही कहता लेकिन वो करता है जो परमेश्वर उसके द्वारा करता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये समझ सकते हैं कि वो परमेश्वर का नाम नही ले सकता था, सच्चाई है कि उस समाज में इस तरह का वाक्य नही कह सकते थे/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, हमें सावधान रहना है कि लोगों को क्या सोचने लगाए, और पूरी तरह से कोई नुकसान न पहुचाते हुए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: दानिएल भविष्यवक्ता, दानिएल अध्याय 7 में क्या कहता है?

डॉ. डेरेल बॉक: खैर ये शीर्षक मनुष्य का पुत्र बहुत सुन्दर शीर्षक है जिसमे बहुत सी बातें समाई है, ये क्या करता है, ये मनुष्य का पुत्र तो मनुष्य होने को बताता है, लेकिन ये खास मनुष्य है, ये मनुष्य है जो बादलों पर सवार होता है, याने पुराने नियम जब कोई बादलों पर सवार होता है, याने ये ऐसा ही परमेश्वर या ईश्वर करते हैं, पुराने नियम में, याने इस तरह बताया है, खासकर बाल के बारे में, और दुसरे वचन में बताया है परमेश्वर ऐसा करता है, याने इश्वर ऐसा कर सकते हैं, याने मनुष्य इश्वर का काम करते हैं, ठीक है, मनुष्य इश्वर का काम करते हैं, वो यीशु है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: यीशु खुद के बारे में ये कहता है/

डॉ. डेरेल बॉक: वो खुद के बारे में ये कहता है, यीशु ऐसा करता है, और पुनरुत्थान तो परमेश्वर का विचार है कि यीशु वही दावा कर रहा है जो वो है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, दो मिनट बाकि हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, चलिए मैं मरकुस 14 से बताता हूँ, और डेरेल जो बता रहे हैं वो बिलकुल सही है, ये मुख्य वचन है जिसके साथ हमें लड़ना है, जिसमे मैं कुछ बातें जोड़ता हूँ, यीशु कैफा के सामने आता है और परखा जाता है,कैफा महा-याजक साल में एक बार महा-पवित्र स्थान में जा सकता था, और सच में प्रभु की उपस्थिती में होता है, जो पृथ्वी पर परमेश्वर का भवन था, यीशु दावा कर रहा था कि वो केवल परमेश्वर की उपस्थिति में ही नही जाएगा, लेकिन वो वहां पर रहेगा, उस असली भवन में, जहाँ सच में परमेश्वर है, लेकिन ये तो उसका रूप है, उसका ढांचा है/ और इस तरह वो कैफा के सामने सवाल उठाता है, कि तुम्हारी परीक्षा हो रही है, मैं तुम्हारा न्याय कर रहा हूँ, वो बस कह सकता था कि मैं राजा हूँ, ये काफी होता,वो ये कहता है कि मैं परमेश्वर के सिहांसन के कमरे में हूँ, मैं सिहांसन पर हूँ तुम्हारा न्याय कर रहा हूँ, ये अद्भुत बात है/

अब यदि आप अध्याय 14 में आगे बढ़ते हैं, प्रेरित अध्याय 14 में, जहाँ पौलुस और बरनबास लुस्त्रा में प्रचार कर रहे थे, और ये लोग जो ग्रीक नही बोल सकते थे, कह रहे थे कि हमारे पास यहाँ कुछ ग्रीक ईश्वर हैं, जब पौलुस इसके बारे में जानता है, प्रेरित 14 वचन 14 में, तो वो सबसे पहले यही करता है, कि वो अपने कपड़े फाड़ता है, और वो इसलिए इसे करता है क्योंकि ये बताता है कि तुमने परमेश्वर की निन्दा की है, अब कैफा ये करता है, जब यीशु ने इस बात का दावा किया, पौलुस ये करता हैं जब लुस्त्रा के लोग दावा करते हैं कि पौलुस और बरनबास इश्वर

हैं, और अवश्य ही यीशु के लिए ये कहना, तो सच में परमेश्वर की निन्दा होती यदि वो सच में परमेश्वर नही होता तो/

डॉ. डेरेल बॉक: और यहाँ तक कि ये विचार इतना महत्वपूर्ण था कि पौलुस ने जिस विचार और मत को लेने से इनकार किया कि यीशु स्वागत करता है/ और यहाँ ये यीशु और उसके चेलों के फर्क को बताता है, कईबार लोग जो जीजसएनीटी में इस तरह से दावा करते हैं, कि यीशु ये दिखाने की कोशीश कर रहा था कि हम सब एक ही तरह से परमेश्वर के पुत्र हैं, नही, नही, नही, नही, बिलकुल नही, यीशु अद्भुत है, और वो अपने दावों में अद्भुत हैं,और वो हमें परमेश्वर की सन्तान और पुत्र बनाता है, लेकिन उस अद्भुत तरह से अगल नही जो यीशु परमेश्वर का पुत्र है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: नही, जी ये प्रकाशितवाक्य 19:10 में हैं, जहाँ यूहन्ना स्वर्गदूत की उपस्थिति से रोमांचित होता है, कि वो दण्डवत करता है, और स्वर्गदूत करता है, उठो, ऐसा मत करो, मैं तुम्हारे जैसे ही दास हूँ, याने ये केवल मनुष्य नही हैं, लेकिन स्वर्गदूत भी यीशु मसीह के स्थर के नही होते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये अद्भुत बात है, मतलब ये तो वहां ऐतिहासिक रिकाड्र्स में हैं, आपको इसे देखना होगा, मुझे याद है विद्यार्थी के रूप में इसे देख रहा था, मैंने सोचा, मुझे इन बातों से निपटना होगा/

डॉ. डेरेल बॉक: ये अद्भुत है, लेकिन ये इस तरह से अद्भुत नही जिस तरह से बोर्ग कह रहे थे, इस पर विश्वास नही होता है, ये अद्भुत है, क्योंकि ये परमेश्वर से आनेवाला संदेश है, ये अद्भुत अधिकार और परमेश्वर की मुहर लेकर आता है, जिसका विश्वास नही किए जाने के लिए विरोध हुआ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: इस सच्चाई के बारे में कहिए, हाँ, ये उन दिनों में लोगों के लिए अद्भुत बात थी, रुकावट का पत्थर था, ये किस तरह से रुकावट का पत्थर है?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मतलब बोर्ग ने कहा कि ये विश्वास करने के लिए रुकावट है, अवश्य ही रुकावट है, इसलिए पौलुस को सताया गया, इसलिए वो कहता है कि यहूदियों के लिए रुकावट का पत्थर है, ग्रीक के लिए मुर्खता/ एक बात जो मैं सोचता हूँ कि ये अद्भुत है, क्योंकि जब हम मसीहियत के बिलकुल शुरू के भाग को देखते हैं, हमारे पास नया नियम में क्या है, ये ऐसा संदेश है जो न ग्रीक के लिए या रोमी या यहूदी के लिए स्वीकारणीय था/ जब हम दूसरी सदी में जाते हैं, नोस्टिसीज्म को देखते, यहाँ कुछ नए विचारधाराओं में फिट होते जाता है, ये उनके लिए बहुत ही आसान दिखता है, और ये ऐसे नही देखते जो हटाया गया, क्योंकि वो दृष्टिकोण संसार को नही बदलता है, क्योंकि वो न यीशु से प्रेरितों तक और प्रेरितों और चेलों तक नही जाता/

डॉ. डेरेल बॉक: यीशु का संदेश राजनैतिक रूप में सही नही था, लेकिन दुनिया के लिए सही था/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: बिलकुल, ये अच्छा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम अगले हफ्ते इस चर्चा को आगे देखेंगे, और हम अगले कदम के बारे में चर्चा करेगे, बहुत से दोष लगाए जाते हैं कि नए नियम की किताबें किस तरह चुनी गई थी, शुरू के चर्च द्वारा, कब उन्होंने जाना कि ये अहिकार का है, और क्यों दुसरे अब कैनन में नही हैं, उन्होंने तुरंत इसे क्यों जाना, ये मुख्य सवाल हैं जो आज हमारा समाज पूछ रहा है, और आप ये चर्चाः चूकना नही चाहेगें, तो आशा है कि आप जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्न् द्यद्द ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य खड्ढद्मद्वद्म क्ष्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्द्धृ.द्दद्धढ़

@JAshow.org

क्द्दद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ङक्ष्